



UNIVERSITY NEWS 09 OCTOBER 2026

AAJ

SWATANTRA BHARAT

VOICE OF LUCKNOW

HINDUSTAN TIMES

अब डिग्री कॉलेजों के शिक्षक भी कर सकेंगे पार्ट-टाइम पीएचडी का सुपरविजन

लविवि कार्य परिषद में पीएचडी थीसिस का फार्मेट सहित कई प्रस्तावों को मंजूरी

लखनऊ (आज समाचार सेवा)। लखनऊ विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की महत्वपूर्ण बैठक कुलपति प्रो जय प्रकाश सैनी की अध्यक्षता में प्रशासनिक भवन के मंथन कक्ष में संपन्न हुई। बैठक में कुलसचिव डॉ भावना मिश्रा सहित कार्य परिषद के सभी सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति, शोध नीति, वित्तीय निर्णयों, आधारभूत ढांचे तथा छात्र-हित से जुड़े कई दूरगामी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। कार्य परिषद ने शोध की गुणवत्ता, प्रमाणिकता और दस्तावेजीकरण को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से पीएचडी शोध प्रबंध हेतु संकायाधार कलर कोडिंग को

मंजूरी प्रदान की। इसके तहत नीला रंग प्रबंधन, वाणिज्य, शिक्षा, विज्ञान तथा इंजीनियरिंग संकाय की थीसिस हेतु। मैरून रंग-कला, ललित कला, विधि एवं अभिनवगुप्त संस्थान हेतु। हरा रंग-कृषि, योग व वैकल्पिक चिकित्सा, आयुर्वेद एवं यूनानी संकाय हेतु अनिवार्य किया गया है। इसके अलावा पार्ट-टाइम शोध में परिवर्तन की स्पष्ट मानक संचालन प्रक्रिया लागू की गयी है। जिसमें विभागाध्यक्ष को साक्ष्य सहित औपचारिक आवेदन, डीआरसी द्वारा मूल्यांकन व संस्तुति, कुलपति का अनुमोदन, कुलसचिव द्वारा एनओसी जारी करना तथा संबंधित शैक्षणिक सत्र का शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा। अन्य महत्वपूर्ण फैसलों में

कॉलेज शिक्षकों को सुपरविजन का अधिकार, शशि भूषण बालिका महाविद्यालय और कृष्णा देवी गर्ल्स डिग्री कॉलेज सहित राजकीय डिग्री कॉलेजों के शिक्षकों को अब पीएचडी विद्यार्थियों के शोध निर्देशन का अधिकार प्रदान किया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय उनका नोडल रिसर्च सेंटर होगा। इसके अतिरिक्त शासकीय एवं सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के संबद्ध डिग्री कॉलेजों के शिक्षकों को पार्ट-टाइम पीएचडी सुपरविजन का अधिकार प्रदान किया गया है। महाविद्यालय शिक्षक संघ सुआक्ट के अनुरोध पर संबद्ध कॉलेज शिक्षकों के पाल्यों (वार्डस) के लिए यूजी एवं पीजी की भांति पीएचडी में पांच प्रतिशत आरक्षण के प्रस्ताव

को मंजूरी दी गई। इसके अलावा एईडीपी को राजभवन से स्वीकृति ऑफिसियल एग्जिडेंट डिग्री प्रोग्राम अध्यादेश को राजभवन से औपचारिक स्वीकृति प्राप्त होने की जानकारी से अवगत कराया गया। विधि शिक्षा का विस्तार करते हुए विधि विभाग में स्वचालित पोषित पांच वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम हेतु १७ नए स्व वित्त पोषित शिक्षक पदों के सृजन की वित्तीय संस्तुति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, मोहम्मदी लॉ कॉलेज लखीमपुर की पांच वर्षीय विधि पाठ्यक्रम की पांच वर्षीय हेतु अस्थायी सहयुक्तता दी गई। परिषद ने २९ सितंबर को संपन्न वित्त समिति के निर्णयों का अनुमोदन भी किया।

विधिक सहायता केंद्र को उत्कृष्टता पुरस्कार

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय स्थित विधिक सहायता केंद्र को सामाजिक न्याय और विधिक सक्षमता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'नॉलेज स्टोव उत्कृष्टता पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 4 अक्टूबर को भारतीय विधि संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित 15वें अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार एवं सैनिक न्याय सम्मेलन में प्रदान किया गया। केंद्र विधि संकायाध्यक्ष प्रो डॉआरके वर्मा और अध्यक्ष प्रो डॉ अभिषेक कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में कार्य करता है। पुरस्कार मिलने के बाद विश्वविद्यालय परिसर में फोटो सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने पूरी टीम और छात्र संघर्षजक निमित्त रण को बधाई देते हुए सभी के लिए समान न्याय की दिशा में प्रयत्न जारी रखने को प्रेरित किया।

वैश्विक वैज्ञानिकों की सूची में लविवि का जलवा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 14 संकाय सदस्यों ने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के 2026 वैश्विक डेटाबेस में विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में स्थान प्राप्त हुआ है। इसमें प्रो. ओमकार (प्राणि विज्ञान विभाग), प्रो. मधुकमले (बायोकेमिस्ट्री विभाग), डॉ. विनोद कुमार वशिष्ठ (रसायन विज्ञान विभाग), प्रो. अमृतांशु शुक्ला (भौतिकी विभाग), प्रो. मोहम्मद इनाहल अंसारी (प्राणि विज्ञान विभाग), डॉ. नलिनी पांडे (वनस्पति विज्ञान विभाग), डॉ. चंद्रकिरण गौतम (भौतिकी विभाग), डॉ. मनोज कुमार जैन, डॉ. विवेक कुमार सिंह (भौतिकी विभाग), प्रो. अभिनव कुमार (रसायन विज्ञान विभाग), प्रो. इंद्र वीर सिंह (भूविज्ञान विभाग), डॉ. शशि भूषण (सांख्यिकी विभाग), प्रो. मेनिशा वनर्जी (प्राणि विज्ञान विभाग), डॉ. प्रदीप कुमार (वनस्पति विज्ञान विभाग) ने जगह बनाई है। आजीवन प्रभाव सूची में 5 वैज्ञानिकों ने परचम लहराया। इसमें प्रो. विष्णु जी राम, प्रो. इंद्र वीर सिंह (भूविज्ञान विभाग), प्रो. ओमकार (प्राणि विज्ञान विभाग), प्रो. अमृतांशु शुक्ला (भौतिकी विभाग) और डॉ. चंद्रकिरण गौतम (भौतिकी विभाग) हैं।

विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में लविवि के 14 शोधकर्ता शामिल

लखनऊ। संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा तैयार किए गए वैश्विक वैज्ञानिकों के डेटाबेस (2026 संस्करण) में लखनऊ विश्वविद्यालय के 14 संकाय सदस्यों को विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की प्रतिष्ठित सूची में स्थान प्राप्त हुआ है। इसमें प्रो. ओमकार (प्राणि विज्ञान विभाग), प्रो. मधुकमले (बायोकेमिस्ट्री विभाग), डॉ. विनोद कुमार वशिष्ठ (रसायन विज्ञान विभाग), प्रो. अमृतांशु शुक्ला (भौतिकी विभाग), प्रो. मोहम्मद इनाहल अंसारी (प्राणि विज्ञान विभाग), डॉ. नलिनी पांडे (वनस्पति विज्ञान विभाग), डॉ. चंद्रकिरण गौतम (भौतिकी विभाग), डॉ. मनोज कुमार जैन, डॉ. विवेक कुमार सिंह (भौतिकी विभाग), प्रो. अभिनव कुमार (रसायन विज्ञान विभाग), प्रो. इंद्र वीर सिंह (भूविज्ञान विभाग), डॉ. शशि भूषण (सांख्यिकी विभाग), प्रो. मेनिशा वनर्जी (प्राणि विज्ञान विभाग), डॉ. प्रदीप कुमार (वनस्पति विज्ञान विभाग) ने जगह बनाई है। आजीवन प्रभाव सूची में 5 वैज्ञानिकों ने परचम लहराया। इसमें प्रो. विष्णु जी राम, प्रो. इंद्र वीर सिंह (भूविज्ञान विभाग), प्रो. ओमकार (प्राणि विज्ञान विभाग), प्रो. अमृतांशु शुक्ला (भौतिकी विभाग) और डॉ. चंद्रकिरण गौतम (भौतिकी विभाग) हैं।

LU executive council clears PhD reforms, thesis colour coding

Times News Network

Lucknow: Lucknow University's executive council on Thursday cleared a set of student-focused measures spanning PhD reforms, supervision rules, admissions benefits and upgrades to academic and residential support systems. To streamline documentation and verification of doctoral work in line with a University Grants Commission order, the council approved faculty-wise colour coding for PhD thesis bindings. Blue will be used for Management, Commerce, Education, Science and Engineering. Maroon will apply to Arts, Fine Arts, Law and the Abhinavagupta Institute. Forest green will cover Agriculture, Yoga and Alternative Medicine, Ayurveda and Unani. The council also approved a five-step standard operating procedure for scholars seeking conversion from regular to part-time PhD.

Under the process, a scholar will submit a formal application with supporting documents to the head of the department. The department will place it before the departmental research committee, which will evaluate and, if found suitable, recommend the request. The proposal will then be sent to the vice-chancellor for approval. After approval, the registrar will issue a no-objection certificate, and the scholar will deposit the prescribed fee for the relevant academic session.

Teachers from govt and aided affiliated degree colleges were permitted to supervise part-time PhD scholars. The council also approved a 5% reservation in PhD admissions for wards of affiliated college teachers, following a demand raised by LUCTA. The executive council sanctioned 17 new self-financed teaching posts for the five-year LLB programme under the Faculty of Law.

LU exec council okays reforms to raise research standards

HT Correspondent

letters@htlive.com

LUCKNOW: In a significant move towards elevating research standards, the Lucknow University executive council on Thursday approved a series of reforms aimed at strengthening research ecosystem and expanding academic infrastructure at the university and its associated colleges.

The new policy measures include—a major overhaul of the PhD programme structure, intended to enhance clarity, authenticity, and institutional standardisation. The university mandated distinct faculty-wise colour-coding for PhD theses to streamline archiving and documentation.

Under it, management, commerce, education, science, and engineering have been categorised under blue; arts, fine arts, law, and the Abhinavagupta Institute under maroon; and agriculture, yoga, alternative medicine, Ayurveda, and Unani under forest green.

Additionally, the university has instituted a transparent five-stage standard operating procedure (SOP) for scholars transitioning from regular to part-time research, establishing a clear pathway through departmental evaluation, committee recommendations, executive approval, and fee compliance. The council also introduced measures to decentralise research guidance and empower educators within the region.

Faculty members from prominent government and associated degree colleges, including Shashi Bhushan Mahavidyalaya and Krishna Devi Girls' Degree College, now have official research supervision rights, with Lucknow University serving as their designated nodal research centre.

In response to representations from the Lucknow University Associated College Teachers Association (LUACTA), the

KEY DECISIONS

- Faculty-wise colour-coding for PhD theses
- Supervision rights to college teachers
- Part-time supervision for govt and aided affiliated colleges
- 5% weightage to children of college teachers in PhD
- 17 new self-financed posts in law
- Sports complex named as 'Prof D P Singh Krida Bhawan'

council approved 5% weightage in PhD admissions for children of associated college teachers, similar to existing provisions in undergraduate and postgraduate programmes.

The council was informed that the Apprenticeship Embedded Degree Programme (AEDP) ordinance received a formal approval from the Jan Bhavan.

For the expansion of legal education, financial sanction was given for creating 17 new self-financed teaching posts for the five-year LLB course in the law department.

Temporary affiliation for five years was also granted to Mohammadi Law College, Lakhimpur, for running the five-year law course.

The council unanimously decided to name the newly constructed state-of-the-art sports complex as 'Prof DP Singh Krida Bhawan' in honour of former vice chancellor the late Prof DP Singh.

It approved the confirmation of newly appointed teachers in sociology, psychology and English departments after their probation period.

The council also decided to engage experienced retired professors through a selection committee in five major engineering departments of the Faculty of Engineering and Technology.

AMRIT VICHAR

लविवि के लुम्बा में हुई पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

■ लखनऊ, अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग (लुम्बा) में विभागाध्यक्ष प्रो. रितु नारंग के मार्गदर्शन में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय 'एसडीजी-16 इन एक्शन: एक टिकाऊ और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण' रखा गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में न्याय, शांति, मजबूत संस्थाओं और गरीबी उन्मूलन पर आधारित टिकाऊ एवं समावेशी समाज के प्रति जागरूकता विकसित करना था। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और अपने पोस्टरों के माध्यम से न्याय, समानता, मजबूत संस्थाओं तथा गरीबी उन्मूलन जैसे विषयों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया।

SWATANTRA BHARAT

विदेशी छात्र कार्यशालाओं से टीबी उन्मूलन का संदेश

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के तत्वावधान में विदेशी एमएसडब्ल्यू विद्यार्थियों द्वारा टीबी उन्मूलन को लेकर जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। संस्कृत, अंग्रेजी, वनस्पति विज्ञान, समाजशास्त्र और मानव विज्ञान विभागों में कार्यशालाएं ले चुकी हैं। विद्यार्थियों को टीबी के लक्षण, बचाव, जांच, उपचार, पोषण और सामाजिक भातियों की जानकारी दी जा रही है। शोध पीठ निदेशक प्रो राकेश द्विवेदी ने बताया कि विद्यार्थी स्वास्थ्य जागरूकता के प्रभावी वाहक बन सकते हैं। तजाकिस्तान, सिएरा लियोन और बांग्लादेश के छात्र भी अभियान में भाग लेकर अपने देशों में अनुभव साझा कर रहे हैं।

AMRIT VICHAR

लविवि और बीबीएयू के 26 शिक्षक विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ के दो विश्वविद्यालयों के 26 विज्ञान के अध्येताओं ने विश्व के टॉप दो प्रतिशत वैज्ञानिकों में अपनी जगह बनाई है। संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की ओर से जारी सूची में लखनऊ विश्वविद्यालय के 14 और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के विज्ञान के अलग-अलग विषयों के 12 शिक्षक

लविवि के वैज्ञानिक

■ प्रो. इंद्र वीर सिंह (भूविज्ञान विभाग), प्रो. मधुकमले (बायोकेमिस्ट्री विभाग), डॉ. शशि भूषण (सांख्यिकी विभाग) डॉ. नलिनी पांडे, डॉ. प्रदीप कुमार (वनस्पति विज्ञान विभाग) डॉ. विनोद कुमार वशिष्ठ, प्रो. अभिनव कुमार (रसायन विज्ञान विभाग), प्रो. मोहम्मद इनाहल अंसारी, प्रो. ओमकार, प्रो. मेनिशा वनर्जी (प्राणि विज्ञान विभाग) और प्रो. अमृतांशु शुक्ला, डॉ. मनोज कुमार जैन, डॉ. विवेक कुमार सिंह, डॉ. चंद्रकिरण गौतम (भौतिकी विभाग), शामिल हैं।

शामिल हैं। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी एल्सेवियर के स्कोपस उद्धरण डेटा और साइंस मैट्रिक्स वर्गीकरण प्रणाली के आधार पर शोधकर्ताओं के वैज्ञानिक प्रभाव व शोध उद्धरणों के कठोर मूल्यांकन के बाद इन अध्येताओं को सूची में जगह दी है। एकेटीयू के प्रो. अरुण तिवारी भी सूची में शामिल हैं



डॉ. अभिषेक, डॉ. आदित्य, डॉ. जयशंकर, डॉ. मुकेश अवस्थी, डॉ. राजेश सिंह, प्रो. देवेश, प्रो. नवीन अरोरा, प्रो. रजनीकांत, प्रो. बालचंद्र, प्रो. रामचंद्र, प्रो. रामनरेश, प्रो. वीरसिंह भट्टरिया।

लविवि के आजीवन प्रभाव सूची में पांच वैज्ञानिक

■ प्रो. विष्णु जी राम, प्रो. इंद्र वीर सिंह (भूविज्ञान विभाग), प्रो. ओमकार (प्राणि विज्ञान विभाग), प्रो. अमृतांशु शुक्ला और डॉ. चंद्रकिरण गौतम (भौतिकी विभाग) शामिल हैं।

बीबीएयू के शिक्षक

■ पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रो. नवीन कुमार अरोरा, एनवायरमेंटल माइक्रोकबायोलॉजी विभाग के प्रो. राम चंद्र, प्रो. राम नरेश भार्गव, डॉ. जयशंकर सिंह, भौतिक विज्ञान विभाग के डॉ. राजेश कुमार सिंह, प्रो. बालचंद्र यादव, प्रो. देवेश कुमार, कम्प्यूटर साइंस विभाग के डॉ. आदित्य खम्मरिया, गणित विभाग के प्रो. वीरसिंह भट्टरिया, डॉ. मुकेश कुमार अवस्थी, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के डॉ. अभिषेक वर्मा, फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के प्रो. पीएस रजनीकांत शामिल हैं।



UNIVERSITY NEWS 09 OCTOBER 2026

AMRIT VICHAR

लविवि से संबद्ध कॉलेजों के शिक्षक भी कर सकेंगे पीएचडी में निर्देशन

लखनऊ विश्वविद्यालय कार्यपरिषद की बैठक में लिए गए कई अहम फैसले

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय शिक्षकों की पीएचडी कराने की लक्षित मांग पर विश्वविद्यालय कार्य परिषद ने मंजूरी दे दी है। कुलपति प्रो. जेपी सैनी की अध्यक्षता में लखनऊ विश्वविद्यालय कार्य परिषद की बैठक में कई अहम फैसले किए गए। अब पीएचडी थीसिस का फॉर्मेट व कलर कोडिंग के अनुसार होगा। रेगुलर से पोस्टग्रेजुएट शोध में बदलाव की व्यवस्था को भी मंजूरी प्रदान की गई है। इसके अलावा महाविद्यालय शिक्षकों के पाल्यों को पीएचडी में भी स्नातक और परास्नातक की तरह 5 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।

कार्य परिषद ने विधि संकाय में 17 नए शिक्षक पदों को भर्ती की हरी झंडी दी है। यह भर्तियां राजभवन से 'एईडीपी' को मंजूरी मिलने के बाद दी गई हैं। नियमित से अंतराकालिक पीएचडी में परिवर्तन हेतु पांच-चरणीय पारदर्शी मानक संचालन प्रक्रिया लागू की गई है। जिसमें विभागध्यक्ष को साक्ष्य सहित औपचारिक आवेदन, डीआरसी द्वारा मूल्यांकन व संस्तुति, कुलपति का अनुमोदन, कुलसचिव द्वारा एनओसी जारी करना तथा संबंधित शैक्षणिक सत्र का शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा।

AMAR UJALA

लविवि के छात्रों को रोजगार का मौका

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग छात्रों को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) में ट्रेनी इंजीनियर (कॉन्ट्रैक्टुअल) पदों पर रोजगार मिलेगा। बीईएल ने 2025-26 बैच के स्नातकों से आवेदन मांगे हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल, कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल और सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक विद्यार्थी 10 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। चयनितों की नियुक्ति दो वर्ष के लिए होगी, जिसे एक वर्ष बढ़ाया जा सकता है। चयन 100 अंकों की लिखित परीक्षा से होगा जिसमें 70 अंक तकनीकी और 30 अंक सामान्य अभिरूचि के होंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMRIT VICHAR

कला महाविद्यालय में चित्रकला पर संवाद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ के 115 साल पुराने कला महाविद्यालय में बनारस चित्रकला घराने की छठवीं और सातवीं पीढ़ी के चित्रकार डॉ. गोपाल प्रसाद एवं अंकित प्रसाद के साथ गुरुवार को कला संवाद आयोजित किया गया। इसमें बनारस चित्रकला घराने और उसके कलाकारों पर बनी दो वृत्तचित्र फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया।

अभिनेता नाना पाटेकर को ब्रह्मांडाल के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके बाद डॉ. गोपाल प्रसाद ने बनारस चित्रकला की पारंपरिक लघुचित्र तकनीक, चित्र निर्माण की प्रक्रिया तथा विभिन्न पीढ़ियों के कलाकारों के योगदान पर विस्तार से जानकारी दी। सातवीं पीढ़ी के चित्रकार अंकित प्रसाद ने पारंपरिक मुगल शैली के साथ अपने समकालीन प्रयोगों और इस कला परंपरा को आगे बढ़ाने के प्रयासों को साझा किया।

कला महाविद्यालय के डीन डॉ. रतन कुमार ने कलाकारों का सम्मान एवं आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पारंपरिक कला विधाओं के कलाकारों के साथ विद्यार्थियों का प्रत्यक्ष संवाद आवश्यक है। इस अवसर पर भूपेंद्र कुमार अस्थाना ने कहा कि 18वीं सदी से विकसित बनारस चित्रकला परंपरा लगभग 300 वर्षों से पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ रही है। मुगल लघुचित्र शैली के

AMAR UJALA

बीकॉम छात्रों को जॉब के साथ प्रशिक्षण भी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने बोर्ड ऑफ अग्रेंटिसशिप ट्रेनिंग (नॉर्दन रीजन), कानपुर के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है। इसके तहत वाणिज्य संकाय के तीन अग्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम (एईडीपी) के विद्यार्थियों को ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा। एमओयू के तहत बीकॉम इन बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज एंड इंश्योरेंस, बीकॉम इन ई-कॉमर्स और बीकॉम इन रिटेल मैनेजमेंट के विद्यार्थियों को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह व्यवस्था राष्ट्रीय अग्रेंटिसशिप प्रशिक्षण योजना के तहत लागू होगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

पीएचडी थीसिस के लिए कलर कोड तय

■ NBT न्यूज, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) की कार्य परिषद ने बुधवार को शोध शिक्षकों और कर्मचारियों से जुड़े कई अहम फैसलों पर मंजूरी दे दी।

एलयू ने कार्यपरिषद में शोध सुधारों पर लगाई मुहर

शोध निर्देशन का अधिकार और संविदा कर्मियों के मानदेय में बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई।

संकायवार तय हुआ थीसिस का रंग

शोध गुणवत्ता में सुधार के लिए थीसिस का कवर रंग तय किया गया है। नीला: प्रबंधन, वाणिज्य, शिक्षा, विज्ञान और इंजीनियरिंग। मेरून: कला, ललित कला, विधि व अभिनवगुप्त संस्थान। फॉरेस्ट ग्रीन: कृषि, योग, आयुर्वेद व यूनानी इसके अलावा रेगुलर से पोस्टग्रेजुएट पीएचडी में

बदलाव के लिए पांच चरणीय पारदर्शी एसओपी (SOP) लागू की जाएगी।

शोध और कॉलेजों को राहत: राजकीय डिग्री कॉलेजों समेत शशि भूषण बलिका व कृष्ण देवी गर्लर्स डिग्री कॉलेज के शिक्षकों को पीएचडी सुपरविजन का अधिकार मिला है। लुआक्ट की मांग पर कॉलेज शिक्षकों के पाल्यों को यूजी-पीजी की तर्ज पर पीएचडी में 5% आरक्षण दिया जाएगा। बैठक में एईडीपी आग्रहों को राजभवन से मंजूरी मिलने की पुष्टि हुई। साथ ही विधि संकाय में 17 नए स्व-वित्तपोषित पद सृजित किए गए और मोहम्मदी लॉ कॉलेज लखीमपुर को पांच साल की अस्थायी संबद्धता दी गई।

संविदा कर्मियों का बढ़ा मानदेय: वित्त समिति की सिफारिश पर 94 संविदा कर्मियों का मानदेय बढ़ाया गया। तृतीय श्रेणी का वेतन 14,000 से बढ़कर 21,700 रुपये और चतुर्थ श्रेणी का 11,650 से बढ़कर 15,000 रुपये कर दिया गया है। वहीं, नवनिर्मित स्पेरेट्स कॉम्प्लेक्स का नाम पूर्व कुलपति स्व. प्रो. दीपी सिंह के नाम पर 'प्रो. दीपी सिंह क्रीड़ा भवन' रखा गया है।

कॉलेज भी कराएंगे चार साल का UG डिग्री

■ NBT न्यूज, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2027-28 से महाविद्यालयों में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम लागू करने का फैसला लिया है। नई शिक्षा नीति के तहत यह कोर्स सभी छात्रों के लिए उपलब्ध होगा और इसका संचालन संबद्ध कॉलेज करेंगे। विवि प्रशासन के अनुसार सभी छात्र चार वर्षीय ऑनर्स डिग्री के लिए अर्ह होंगे। इसके लिए CGPA का कोई बंधन नहीं रहेगा। इससे पहले ऑनर्स के लिए निश्चित CGPA की शर्त थी, जिसे अब हटा दिया गया है। वीसी प्रो. जेपी सैनी ने बीते दिनों लखीमपुर में प्रबंधकों और प्राचार्यों के साथ हुई बैठक में इस फैसले की जानकारी दी थी। वहीं विवि ने छात्रों को बड़ी राहत देते हुए AI और साइबर फरेसिक कोर्स को निःशुल्क करने का निर्णय लिया है।

HINDUSTAN

एलयू में सशक्त नारी, सुरक्षित नारी का संदेश गूंजा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत डीन, स्टूडेंट्स' वेलफेयर के तत्वावधान में विधि संकाय के प्रो बोनो क्लब द्वारा 'सशक्त नारी, सुरक्षित नारी, आत्मनिर्भर नारी-मिशन शक्ति' विषय पर नुककड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विधि संकाय, न्यू कैंपस में किया गया। नुककड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने 'मिशन शक्ति' के उद्देश्यों, महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

I NEXT

शीर्ष वैज्ञानिकों की सूची में एलयू का रहा दबदबा

यूनिवर्सिटी के 14 संकाय सदस्यों को लिस्ट में जगह

LUCKNOW (8 OCT): लखनऊ विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय शोध और अकादमिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यूनिवर्सिटी की ओर से जारी वैश्विक वैज्ञानिकों के 2026 डेटाबेस में यूनिवर्सिटी के 14 संकाय सदस्यों को विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में स्थान मिला है। वैज्ञानिकों का चयन एल्सेवियर के स्कोपस इंडेक्स डेटा और साइंस-मेट्रिक्स प्रोसेसिंग के आधार पर शोध प्रभाव, उद्धरण और वैज्ञानिक योगदान के मूल्यांकन के बाद किया गया है।

वैज्ञानिकों ने बनाई जगह

एकल-वर्षीय प्रभाव सूची में लखनऊ विश्वविद्यालय के 14 वैज्ञानिक शामिल हैं, इनमें प्राणि विज्ञान विभाग के प्रो. ओमकार, बायोकेमिस्ट्री के प्रो. मधुकमल, रसायन विज्ञान के डॉ. विनोद कुमार कशिप और प्रो. अभिनव कुमार, पौष्टिकी के प्रो. अमृतांशु शुक्ला, डॉ. चंद्रकिरण गौतम और डॉ. विवेक कुमार सिंह, प्राणि विज्ञान के प्रो. मोहम्मद इस्मैल अंसारी और प्रो. मोनिसा बनर्जी, जनसंख्या विज्ञान की डॉ. नलिनी पांडे और डॉ. प्रदीप कुमार, भूविज्ञान के प्रो. इंद्र बीर सिंह, सांख्यिकी के डॉ. शशि भूषण तथा डॉ. मनोज कुमार जैन शामिल हैं।

वीसी ने दी बधाई

आजीवन वैज्ञानिक प्रभाव वाली सूची में यूनिवर्सिटी के पांच वैज्ञानिकों ने जगह बनाई है, इनमें प्रो. क्षिपू जी राम, प्रो. इंद्र बीर सिंह, प्रो. ओमकार, प्रो. अमृतांशु शुक्ला और डॉ. चंद्रकिरण गौतम शामिल हैं। पौष्टिकी में प्रो. अमृतांशु शुक्ला का सैद्धांतिक नाभिकीय पौष्टिकी और ऊष्मीय ऊर्जा चंद्ररण, जबकि डॉ. चंद्रकिरण गौतम का बायो-नैरोमैट्रिक सामग्री और हार्डवेयर प्रत्यक्ष से जुड़े शोध उपलब्धता है।



UNIVERSITY NEWS 09 OCTOBER 2026

HINDUSTAN

AMAR UJALA

DAINIK JAGRAN

लखनऊ विश्वविद्यालय में कार्य परिषद ने लिए अहम फैसले पीएचडी में कॉलेज शिक्षक भी कर सकेंगे शोध निर्देशन

बैठक

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की बैठक गुरुवार को कुलपति प्रो. जय प्रकाश सेनी की अध्यक्षता में प्रशासनिक भवन के मंथन कक्ष में हुई। बैठक में शोध, शिक्षण, छात्र सुविधाओं, संबद्ध महाविद्यालयों, कर्मचारियों और आधारभूत ढांचे से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा समेत कार्य परिषद के सभी सदस्य बैठक में मौजूद रहे।

शासकीय और सहायता प्राप्त संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों को अंशकालिक पीएचडी विद्यार्थियों के शोध निर्देशन का अधिकार दिया गया है। विश्वविद्यालय इन शोधार्थियों के लिए नोडल शोध केंद्र के रूप में कार्य करेगा। इसके अलावा महाविद्यालय शिक्षक संघ की मांग पर संबद्ध कॉलेज शिक्षकों के पाल्यों को पीएचडी प्रवेश में स्नातक और परास्नातक की तर्ज पर पांच प्रतिशत आरक्षण देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई।

पीएचडी शोध प्रबंध के लिए रंग

कर्मचारियों का वेतन बढ़ा

वित्त समिति की संस्तुतियों को मंजूरी देते हुए स्वयंप्रतिष्ठित पाठ्यक्रमों में विषय विशेषज्ञों का मानदेय 1,500 निर्धारित किया गया। संविदा कर्मचारियों के वेतन में भी बढ़ोतरी की गई। तृतीय श्रेणी कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन 21,700 रुपये और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का 18,000 रुपये करने को मंजूरी दी गई।

■ पाल्यों को पांच प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा

■ 94 कर्मचारियों का वेतन बढ़ा विधि विभाग में 17 नए पद मंजूरी

नियमित से अंशकालिक पीएचडी में बदलाव तय

नियमित से अंशकालिक पीएचडी में परिवर्तन के लिए पांच चरणों वाली मानक संवादन प्रक्रिया को मंजूरी दी गई। इसके तहत विभागाध्यक्ष को आवेदन, विभागीय शोध समिति की संस्तुति, कुलपति की स्वीकृति कुलसचिव की और से अंतिम प्रतिष्ठापन और निर्धारित शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा। अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम यानी एईडीपी अखादेश को राजभवन से औपचारिक मंजूरी मिलने की जानकारी परिषद को दी गई।

निर्धारित: शोध की गुणवत्ता और दस्तावेजीकरण को बेहतर बनाने के लिए पीएचडी शोध प्रबंधों की संकायवार रंग व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया गया। प्रबंधन, वाणिज्य, शिक्षा विज्ञान और इंजीनियरिंग संकाय

के शोध प्रबंध नीले रंग में होंगे। कला, ललित कला, विधि और अभिनवगुप्त संस्थान के लिए मैक्रन तथा कृषि, योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा, आयुर्वेद और युनानी संकाय के लिए फॉरेस्ट ग्रीन रंग निर्धारित किया गया है।

लविवि की कार्यपरिषद में कई अहम प्रस्तावों पर मुहर

अब कॉलेज शिक्षक भी करा सकेंगे पीएचडी, शिक्षकों के पाल्यों को पांच फीसदी आरक्षण

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी और संबद्ध कॉलेजों के शिक्षकों को लेकर बृहस्पतिवार को कार्य परिषद ने कई बड़े फैसले किए। अब शासकीय और सहायता प्राप्त संबद्ध डिग्री कॉलेजों के पात्र शिक्षक लविवि के नोडल रिसर्च सेंटर के माध्यम से पार्ट टाइम पीएचडी विद्यार्थियों का शोध निर्देशन कर सकेंगे। वहीं, संबद्ध कॉलेजों के शिक्षकों के पाल्यों को पीएचडी में पांच फीसदी आरक्षण मिलेगा।

कुलपति प्रो. जय प्रकाश सेनी की अध्यक्षता में हुई कार्य परिषद की बैठक में नियमित से पार्ट टाइम पीएचडी में बदलाव के लिए पांच चरणों की एसओपी को भी मंजूरी दी गई। इस दौरान शशि भूषण बालिका महाविद्यालय और कृष्णा देवी गर्ल्स डिग्री कॉलेज सहित राजकीय डिग्री कॉलेजों के शिक्षकों को अब पीएचडी विद्यार्थियों के शोध



नियमित से पार्ट टाइम पीएचडी के लिए एसओपी तय, विधि में 17 नए शिक्षक पदों को मंजूरी

निर्देशन का अधिकार प्रदान किया गया। लविवि उनका नोडल रिसर्च सेंटर होगा।

शासकीय एवं सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के संबद्ध डिग्री कॉलेजों के शिक्षकों को पार्ट टाइम पीएचडी सुपरविजन का अधिकार प्रदान किया गया। अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम (एईडीपी) अखादेश को राजभवन से औपचारिक स्वीकृति प्राप्त होने की जानकारी दी गई।

■ थीसिस के कवर का रंग बताएगा

संकाय : कार्य परिषद ने पीएचडी शोध प्रबंध के लिए संकायवार कलर कोडिंग भी तय कर दी। प्रबंधन, वाणिज्य, शिक्षा, विज्ञान और इंजीनियरिंग की थीसिस नीले रंग के कवर की होगी। कला, ललित कला, विधि और अभिनवगुप्त संस्थान की थीसिस का रंग मैक्रन होगा। नियमित से पार्ट टाइम पीएचडी में बदलाव के लिए विभागाध्यक्ष को आवेदन, डीआरसी की संस्तुति, कुलपति की मंजूरी, कुलसचिव की एनओसी और शुल्क जमा करने की प्रक्रिया अनिवार्य होगी।

■ करीब 94 कर्मियों को वेतन वृद्धि : विधि विभाग में स्वयंप्रतिष्ठित पांच वर्षीय एलएलबी के लिए 17 नए शिक्षक पदों के सृजन को वित्तीय मंजूरी दी गई। करीब 94 संविदा कर्मियों के वेतन में बढ़ोतरी को भी मंजूरी मिली। तृतीय श्रेणी कर्मियों का वेतन 14 हजार से बढ़ाकर न्यूनतम 21,700 रुपये और चतुर्थ श्रेणी का 11,650 से बढ़ाकर 18 हजार रुपये किया गया।

नीले रंग की होगी विज्ञान संकाय की थीसिस

जस • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की बैठक में लगी मुहर, पीएचडी थीसिस का फॉर्मेट व कलर कोडिंग निर्धारित

(एसओपी) लागू की गई है, जिसमें विभागाध्यक्ष को स्वयं सहित औपचारिक आवेदन, डीआरसी द्वारा मूल्यांकन व संस्तुति, कुलपति का अनुमोदन और संबंधित शैक्षणिक सत्र का शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा। इसके अलावा शशि भूषण बालिका महाविद्यालय और कृष्णा देवी गर्ल्स डिग्री कॉलेज सहित राजकीय डिग्री कॉलेजों के शिक्षकों को अब पीएचडी विद्यार्थियों के शोध निर्देशन का अधिकार दिया गया है। वहीं शासकीय और सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के संबद्ध डिग्री कॉलेजों के शिक्षकों को भी पार्ट टाइम पीएचडी सुपरविजन का अधिकार होगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय कार्य परिषद की बैठक में लगी मुहर, पीएचडी थीसिस का फॉर्मेट व कलर कोडिंग निर्धारित

लुभाकटा के अनुरोध पर संबद्ध कॉलेज शिक्षकों के पाल्यों के लिए युजी और पीजे की भांति पीएचडी में पांच प्रतिशत आरक्षण के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। विधि विभाग का मानदेय 1500 रुपये निर्धारित : विधि विभाग में स्वयंप्रतिष्ठित पांच वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम के लिए 17 नए स्वयंप्रतिष्ठित शिक्षक पदों के सृजन को वित्तीय संस्तुति दी गई। इसके अलावा मोहम्मद ला कॉलेज (लखीमपुर) को पांच वर्षीय विधि पाठ्यक्रम को पांच वर्षों के लिए अस्थायी सहपुस्तकता दी गई। स्वयंप्रतिष्ठित पाठ्यक्रमों में विषय विशेषज्ञ का मानदेय युजीसी के नियमों और आय-व्यय के आधार पर 800 से बढ़ाकर 1500 प्रति सेन्सर निर्धारित किया गया। वहीं, आउटसोर्सिंग कर्मियों के वेतन को ध्यान में रखते हुए कई पाठ्यक्रमों के संविदा कर्मियों के मानदेय ढांचे को सुव्यवस्थित किया गया।

AMAR UJALA

शीर्ष दो फीसदी वैज्ञानिकों में लविवि के 14 और बीबीएयू के 12 शिक्षक

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 14 संकाय सदस्यों ने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की ओर से जारी विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की 2026 सूची में जगह बनाई है। बीबीएयू के भी 12 शिक्षकों को भी इस सूची में स्थान मिला। सूची एल्सेवियर के स्कोपस उद्धरण डाटा और साइंस-मेट्रिक्स वर्गीकरण के आधार पर तैयार की गई है। एकल-वर्षीय सूची में लविवि के प्राणि विज्ञान के प्रो. ओमकार, प्रो. मोनिशा बनर्जी, प्रो. मोहम्मद इस्माइल अंसारी, बायोकेमिस्ट्री के प्रो. मधुकमले, रसायन विज्ञान के डॉ. विनोद कुमार वशिष्ठ, प्रो. अभिनव कुमार, भौतिकी के प्रो. अमृतांशु शुक्ला, वनस्पति विज्ञान की डॉ. नलिनी पांडे, डॉ. प्रदीप कुमार, भौतिकी के डॉ. चंद्रकिरण गौतम, डॉ. मनोज कुमार जैन, डॉ. विवेक कुमार सिंह, भूविज्ञान के प्रो. इंद्र बीर सिंह, सांख्यिकी के डॉ. शशि भूषण शामिल हैं।

वहीं, आजीवन प्रभाव सूची में प्रो. विष्णु जी राम, प्रो. इंद्रवीर सिंह, प्रो. ओमकार, प्रो. अमृतांशु शुक्ला और डॉ. चंद्रकिरण गौतम को स्थान मिला है। कुलपति ने सभी चयनित वैज्ञानिकों को बधाई दी।

एलयू: अप्रेंटिसशिप में मिलेगा स्टाइपेंड

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों को पढ़ाई संग व्यावहारिक प्रशिक्षण और रोजगार का अनुभव देने के लिए चोर्ड ऑफ अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग (बीओएटी), नॉर्दर्न रीजन, कानपुर के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है। इसके तहत अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम (एईडीपी) के विद्यार्थियों को वास्तविक कार्यस्थल पर प्रशिक्षण के साथ आर्थिक लाभ भी मिलेगा। सामान्य स्ट्रीम के स्नातकों के लिए अप्रेंटिसशिप के दौरान न्यूनतम 12,300 रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड का प्रावधान है। समझौते से विद्यार्थियों को कक्षा में हासिल सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक कार्यस्थल पर लागू करने का अवसर मिलेगा।

26 शिक्षक विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। एलयू और बीबीएयू के कुल 26 शिक्षक स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय की वर्ष 2026 की विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की प्रतिष्ठित सूची में शामिल हुए हैं। इनमें लखनऊ विश्वविद्यालय के 14 और बीबीएयू के 12 शिक्षक हैं। यह उपलब्धि दोनों संस्थानों में उच्च गुणवत्ता वाले शोध और अकादमिक उत्कृष्टता दर्शाती है।

एलयू के एकल-वर्षीय शोध प्रभाव वाली सूची में भौतिकी के प्रो. अमृतांशु शुक्ला और डॉ. चंद्रकिरण गौतम, रसायन विज्ञान के प्रो. अभिनव कुमार और डॉ. विनोद कुमार वशिष्ठ, प्राणि

ये भी रहे शामिल

एकेटीयू के डीन, आर्इटी के प्रोफेसर अरुण कुमार तिवारी ने गौरव बढ़ाया है। उन्होंने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की ओर से जारी विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में स्थान मिला है। प्रो. तिवारी को यह उपलब्धि लगातार के प्रो. इंद्र बीर सिंह शामिल हैं। बीबीएयू के फॉरेस्ट ग्रीन रंग में 18 डॉक्टर और दो फॉरेस्ट-डॉक्टरल फेलो शामिल हुए हैं। वहीं इस सूची में केजीएमयू के 10 डॉक्टर के नाम हैं।

विज्ञान के प्रो. ओमकार तथा भूविज्ञान के प्रो. इंद्र बीर सिंह शामिल हैं। बीबीएयू के पर्यावरण विज्ञान के प्रो. नवीन कुमार अरोरा ने 17,679वें रैंक हासिल की।

HINDUSTAN

एलयू के विधिक सहायता केंद्र को सम्मान

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के विधिक सहायता केंद्र को सामाजिक न्याय एवं विधिक सहायता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'सामाजिक न्याय एवं विधिक सहायता में योगदान हेतु नॉलेज स्टीज उत्कृष्टता पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान नॉलेज स्टीज एडुहब की ओर से 04 अक्टूबर 2026 को भारतीय विधि संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित 15वें अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं लैंगिक न्याय सम्मेलन के दौरान प्रदान

प्रीक्टिकल दो नवंबर से

एलयू के रसायन विज्ञान विभाग ने एम.एससी. सेमेस्टर-III (एनईपी) की रसायन विज्ञान प्रायोगिक परीक्षा 2026 का कार्यक्रम जारी कर दिया है। परीक्षा 2, 3 और 4 नवंबर को होगी।

किया गया। विधिक सहायता केंद्र विधि संकाय के प्रमुख एवं डीन प्रो. आर.के. वर्मा तथा केंद्र के अध्यक्ष प्रो. अभिषेक कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में सामाजिक न्याय और विधिक सहायता के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है।

छात्रों को नौकरी का मौका

इंजीनियरिंग विद्यार्थियों के लिए रक्षा क्षेत्र की प्रतिष्ठित सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बीईएल में नौकरी का अवसर सामने आया है। द्वितीय परिसर से बीटेक विद्यार्थियों को मौका मिलेगा।

इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रो. आर.के. वर्मा एवं केंद्र के अध्यक्ष प्रो. अभिषेक कुमार तिवारी ने पूरी टीम और छात्र संयोजिका सुश्री निमिता गर्ग को इस उपलब्धि पर बधाई दी और केंद्र की सराहना की।